तन काया को पिंजरो बड़ो ज्ञान से घड़यो सिंगाजी भजन लिरिक्स

तन काया को पिंजरो,
बड़ो ज्ञान से घड़यो,
ज्ञान से घड़यो रे,
बड़ो ज्ञान से घड़यो,
तन काया को पिंजरों,
बड़ो ज्ञान से घड़यो।bd।

नही लगाई ईट एमे,
नही लगाई माटी,
नही तो कई का रे,
कुम्हार ने घड़यो,
तन काया को पिंजरों,
बड़ो ज्ञान से घड़यो।bd।

नही लगायो सोनो एमे,
नही लगाई चांदी,
नही तो कई का रे,
सुनार ने घड़यो,
तन काया को पिंजरों,
बड़ो ज्ञान से घड़यो।bd।

पाँच तत्व को यो,
महल बणायो,
स्वयं कारागिर,
सरकार ने घड़यो,
तन काया को पिंजरों,
बड़ो ज्ञान से घड़यो।bd।

तन काया को पिंजरो,
बड़ो ज्ञान से घड़यो,
ज्ञान से घड़यो रे,
बड़ो ज्ञान से घड़यो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तन काया को पिंजरों,
बड़ो ज्ञान से घड़यो।bd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान
7879338198

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com